UNIVERSITY NEWS 04 SEPTEMBER 2026

I NEXT

संतुलित खानपान के बताए फायदे

LUCKNOW: नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पीजी कालेज, अलीगंज में पोषण माह के तहत विशेष व्याख्यान और व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. एलयू की गृहविज्ञान विभाग की डा. देविना सहाय ने 'बेहतर जीवन के लिए सही खानपान' विषय पर छात्राओं को पोषण के महत्व की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि किशोरावस्था से ही संतुलित आहार अपनाना स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी है. गर्भावस्था में पोषण की कमी का असर बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास पर भी पड़ सकता है. प्राचार्य प्रो. शालिनी श्रीवास्तव ने जंक फूड की जगह पौष्टिक भोजन, चोकरयुक्त आटा और मोटे अनाज को अपनाने पर जोर दिया.

NBT

LU में 43 अडिशनल व असिस्टेंट प्रॉक्टर नियुक्त

NBT न्यूज, लखनऊ : एलयू में अनुशासन व्यवस्था और निगरानी को मजबूत करने के लिए नए प्रॉक्टोरियल बोर्ड का गठन किया गया है। कुलपति के अनुमोदन के बाद कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा की ओर से इस संबंध में आधिकारिक कार्यालय आदेश जारी कर दिया गया है। इन 43 शिक्षकों में 23 अडिशनल प्रॉक्टर और 20 असिस्टेंट प्रॉक्टर नियुक्त किए गए हैं। नई टीम में कॉमर्स, फिजिक्स, इकोनॉमिक्स, हिंदी, सोशल वर्क, केमिस्ट्री और पॉलिटिकल साइंस समेत विभिन्न विभागों के वरिष्ठ प्रफेसरों व प्रवक्ताओं को शामिल किया गया है। अडिशनल प्रॉक्टर के रूप में प्रो. राम मिलन, प्रो. ओपी शुक्ला, प्रो. रोली मिश्रा समेत 23 शिक्षक तैनात रहेंगे। वहीं असिस्टेंट प्रॉक्टर के तौर पर डॉ. रंजीत सिंह, डॉ. शशिबाला, डॉ. अनामिका समेत 20 शिक्षकों को जिम्मेदारी मिली है। यह टीम कैंपस में शांति और सुरक्षा व्यवस्था की देखरेख करेगी।

HINDUSTAN

विधि संकाय का दीक्षारम्भ समारोह मना

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में पंचवर्षीय विधि पाठ्यक्रम में नए दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ एवं अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी कार्यक्रम के साथ पंचवर्षीय विधि पाठ्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई। विधि संकाय के अध्यक्ष ने नए विद्यार्थियों का संकाय में स्वागत करते हुए उन्हें संकाय के इतिहास, परंपराओं और उपलब्धियों के बारे में बताया।

AMAR UJALA

43 शिक्षकों को प्रॉक्टोरियल जिम्मेदारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में छात्र अनुशासन और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 43 शिक्षकों को प्रॉक्टोरियल जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुलपति के अनुमोदन के बाद कुलसचिव कार्यालय की ओर से बृहस्पतिवार को इस संबंध में कार्यालय आदेश जारी किया गया। इसमें 23 शिक्षकों को अतिरिक्त प्रॉक्टर और 20 को सहायक प्रॉक्टर नियुक्त किया गया है।

HINDUSTAN

43 शिक्षकों को मिली प्रॉक्टोरियल जिम्मेदारी

लखनऊ। एलयू के मुख्य परिसर में अनुशासन और प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 43 शिक्षकों को अतिरिक्त प्रॉक्टर और सहायक प्रॉक्टर के पद पर नियुक्त किया गया है। कुलपति की मंजूरी मिलने के बाद विश्वविद्यालय के कुलसचिव कार्यालय ने इस संबंध में औपचारिक आदेश जारी किया। आदेश के मुताबिक 23 शिक्षकों को अतिरिक्त प्रॉक्टर और 20 शिक्षकों को सहायक प्रॉक्टर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अतिरिक्त प्रॉक्टर बनाए गए शिक्षकों में प्रो. राम मिलन, प्रो. ओ.पी. शुक्ला, प्रो. रोली मिश्रा, प्रो. अलका मिश्रा, प्रो. आशीष अवस्थी, प्रो. महेंद्र कुमार, प्रो. राजेश्वर प्रसाद यादव आदि हैं। सहायक प्रॉक्टर के तौर पर डॉ. प्रवीण प्रकाश, डॉ. रंजीत सिंह आदि हैं।

I NEXT

23 एडिशनल व 20 असिस्टेंट प्राक्टर नियुक्त

लखनऊ विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में छात्र अनुशासन व प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 43 शिक्षकों को एडिशनल और असिस्टेंट प्राक्टर बनाया गया है. कुलसचिव डा. भावना मिश्रा की ओर से जारी आदेश के अनुसार 23 शिक्षकों को एडिशनल प्राक्टर और 20 शिक्षकों को असिस्टेंट प्राक्टर बनाया गया है. विश्वविद्यालय के कुलपति की स्वीकृति के बाद जारी आदेश में विभिन्न विभागों के शिक्षकों को जिम्मेदारी दी गई है. एडिशनल प्राक्टर की सूची में प्रो.राम मिलन, प्रो.ओपी शुक्ला, प्रो.रोली मिश्रा सहित 23 शिक्षक शामिल हैं. वहीं, डा.रंजीत सिंह से लेकर डा.रणविजय सिंह तक 20 शिक्षकों को असिस्टेंट प्राक्टर बनाया गया है.

AMRIT VICHAR

लविवि मुख्य परिसर में 43 शिक्षकों को मिली प्रॉक्टर पद की जिम्मेदारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में परिसर की सुरक्षा, अनुशासन और शैक्षणिक माहौल को सुदृढ़ रखने के लिए प्रॉक्टोरियल बोर्ड का विस्तार किया गया है। कुलपति के आदेशानुसार विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर के लिए कुल 43 शिक्षकों को एडिशनल (अतिरिक्त) और असिस्टेंट (सहायक) प्रॉक्टर पद पर नियुक्त किया गया है। कुलसचिव कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, परिसर में शांति व्यवस्था कायम रखने और विद्यार्थियों के बीच प्रशासनिक तालमेल को बेहतर करने के उद्देश्य से यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवनियुक्त सभी शिक्षक मुख्य परिसर में अनुशासन निगरानी, सुरक्षा प्रबंधन और छात्र कल्याण से संबंधित दायित्वों का निर्वहन करेंगे।